LIBRARY
School of Planning And Architecture ,Bhopal

S.No.29 (October 2024)

पत्रिका सिटी लाइफ पेज न.03

26/10/2024

ZOOM सिटी लाइफ CITY LIFE

स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर भोपाल का 11वां दीक्षांत समारोह

263 छात्रों ने एक साथ ली शपथ, देश की वास्तुकला को सहेजेंगे

पत्रिका ZOOM रिपोर्टर
patrika.com

भोपाल. स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) भोपाल का 11वां दीक्षांत समारोह भव्यता के साथ शुक्रवार को संपन्न हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण (भारत सरकार) के अध्यक्ष प्रो. किशोर कुमार बासा शामिल हुए। बता दें कि प्रो. बासा दो दशकों से अधिक समय तक उत्कल विश्वविद्यालय में पुरातत्व विभाग में प्रोफेसर पद पर कार्यरत रहे हैं। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि हमारा हर एक कार्य समाज के हित में होना चाहिए। इस अवसर पर 263 स्टूडेंट्स को उपाधियां प्रदान की गई, जिनमें स्नातक के 125, परास्नातक के 129 और पीएचडी के 9 छात्र शामिल थे। डिग्री प्राप्त करने वाले सभी छात्रों ने शपथ ली कि वह देश के वास्तुकला को सर्वश्रेष्ठ बनाने का कार्य करेंगे।

उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मेडल

आकाश सपाटे ने एम. प्लान की डिग्री हासिल की है। इन्होंने मास्टर्स कैटेगरी में मेडल ऑफ एक्सीलेंस प्राप्त किया है। यह मेडल संस्कृति खेल और शैक्षणिक कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए दिया जाता है। यह पुणे में ट्रांसपोर्टेशन प्लानर के पद पर कार्यरत हैं। इन्होंने कहा कि मुझे एडमिनिस्ट्रेशन लेवल पर प्लानिंग के क्षेत्र में जॉब करनी है। एसपीए में मैंने नाटक में भी कोम किया है।

इन कोर्सेज में मिली डिग्री

यह उपाधियां वास्तुकला में स्नातक, योजना में स्नातक, वास्तुकला में परास्नातक (संरक्षण), वास्तुकला में परास्नातक (भूपरिदृश्य), वास्तुकला में परास्नातक (नगर अभिकल्पना), अभिकल्प में परास्नातक, योजना परास्नातक (पर्यावरण योजना), योजना परास्नातक (परिवहन योजना एवं लॉजिस्टिक्स प्रबंधन) और योजना परास्नातक (नगर एवं क्षेत्रीय योजना) आदि विधाओं दी गई।

इन्हें मिले मेडल

समारोह के दौरान दो उत्कृष्टता पदक, नौ प्रवीणता स्वर्ण पदक संबंधित विभागों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए और दस सर्वश्रेष्ठ थीसिस पुरस्कार भी प्रदान किए गए। दीक्षांत समारोह स्थल पर विभिन्न विभागों के स्नातक हो रहे छात्रों एवं अन्य चयनित शैक्षणिक कार्यों की प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

शहरी स्वच्छता पर किया शोध

डॉ. गौरव वेद्य 43 साल के हैं, जिन्होंने पीएचडी कोर्स वर्क में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं। इन्होंने 'शहरी स्वच्छता' विषय पर शोध कार्य किया है। इसके लिए आईसीएसएसआर (शिक्षा मंत्रालय) ने अनुदान प्रदान किया था। 7 साल के शोध कार्य में इन्होंने मध्य प्रदेश के 12 शहरों पर अध्ययन किया है।

दो गोल्ड मेडल मिले

राशि कारकून ने बीएआरसीएच की डिग्री हासिल की है। एसपीए में सर्वोत्तम छात्र की भूमिका निभाने के लिए 'मेडल ऑफ एक्सीलेंस' और कोर्स में अच्छे अंक लाने के लिए 'गिरिराज किशोरी मेमोरियल मेडल' दिया गया है। 23 साल की राशि आर्किटेक्चर में विशेष शोधकर्ता के रूप में आगे बढ़ना चाहती हैं।

अमरीका में करेंगे जॉब

ध्रुव भाटिया ने बी. आर्क की डिग्री प्राप्त की है। इन्हें बैचलर लेवल पर सर्वाधिक नंबर प्राप्त करने के लिए 'प्रवीणता स्वर्ण पदक' प्रदान किया गया है। इन्होंने कोर्स के तहत होने वाली इंटर्नशिप अमेरिका से पूरी की है। अब यह अमेरिका में आर्किटेक्चर की जॉब के लिए दोबारा जा रहे हैं।